उत्तराखण्ड सरकार
मा.मुख्यमंत्री प्रेस सूचना ब्यूरो
(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)
सचिवालय परिसर, सूभाष रोड, देहरादून
E-mail : infodirector.uk@gmail.com
Website : www.uttarainformation.gov.in

देहरादून 11 अप्रैल, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–05(04/57)**

नदी तल उपखनिज लॉटों के आवंटन हेतु भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग द्वारा ऑनलाईन ई–नीलामी की प्रक्रिया विगत जनवरी माह से गतिमान है। वर्तमान में राज्य के पर्वतीय जनपदों के उपखनिज लॉटों के आवंटन की ई–नीलामी प्रक्रिया गतिमान है। जिसके अन्तर्गत बुधवार, 11 अप्रैल 2018 को जनपद उत्तरकाशी के 02 उपखनिज लॉटों के लिये ई–नीलामी प्रक्रिया सम्पन्न हुई।

जनपद उत्तरकाशी, तहसील बड़कोट, ग्राम सुनारा के क्षेत्रफल 1.00 है0 के आधार मूल्य 1,15,500/– रूपये से जबरदस्त परस्पर प्रतिस्पर्धा दिखाते हुये 23,50,221/–रूपये आधार मूल्य का 20.35 गुना प्राप्त हुआ है। जनपद उत्तरकाशी तहसील डुण्डा ग्राम सिंगोटी–2 क्षेत्रफल 0.637 है0 के आधार मूल्य 2,94,385/–रूपये से जबरदस्त परस्पर प्रतिस्पर्धा दिखाते हुये 65,21,128/– रूपये आधार मूल्य का 22.15 गुना प्राप्त हुआ है।

इसके अतिरिक्त 06 अप्रैल, 2018 को जनपद पौड़ी गढवाल तहसील श्रीनगर, ग्राम पुराना श्रीनगर क्षेत्रफल 1.00 है0 एवं जनपद पिथौरागढ, तहसील डीडीहाट के ग्राम चोपड़ा के क्षेत्रफल 0.401 है0 के ई–नीलामी के दौरान ई–नीलामी सॉफ्टवेयर में तकनीकी अवरोध हो जाने के कारण अन्तिम चरण में पहुॅचने से पूर्व ही अवरूद्ध हो गयी थी। जिसे बुधवार को उसी स्तर से पुनः प्रारम्भ किया गया। जिसकी पूर्व सूचना बोलीदाताओं को उपलब्ध करा दी गयी थी। जिसके परिणाम भी उत्साहवर्धक रहे।

जनपद पौड़ी गढवाल, तहसील श्रीनगर, ग्राम पुराना श्रीनगर क्षेत्रफल 1.00 है0 के आधार मूल्य 8,08,500/– रूपये से जबरदस्त परस्पर प्रतिस्पर्धा दिखाते हुये 1,40,01,588/– रूपये जो कि आधार मूल्य का लगभग 17.32 गुना प्राप्त हुआ है। जनपद पिथौरागढ, तहसील डीडीहाट के ग्राम चोपड़ा के क्षेत्रफल 0.401 है0 के आधार मूल्य 46,200/–रूपये के सापेक्ष कुल 4,62,231/– रूपये आधार मूल्य का लगभग 10 गुना प्राप्त हुआ है।

निदेशक खनन श्री विनय शंकर पाण्डेय द्वारा बताया गया कि पर्वतीय जनपदों में बोलीदाताओं के मध्य जबरदस्त उत्साह देखने को मिला रहा है। ऑनलाईन ई–नीलामी की प्रक्रिया बहुत ही शांतिपूर्ण चल रही है तथा बोलीदाता ऑनलाईन प्रक्रिया से संतुष्ट है।

निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग से प्राप्त सूचना के आधार पर।

देहरादून 11 अप्रैल, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–04(04/56)**

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा कुछ ही दिन पूर्व राज्य के सभी सीबीएसई संबद्ध स्कूलों में एनसीईआरटी की पुस्तकों को इसी सत्र से लागू करने का आदेश दिये थे। इस संबंध में पिछले कई दिनों से मुख्यमंत्री मोबाइल एप, मुख्यमंत्री के फेसबुक पेज और ट्विटर अकाउंट पर अभिभावकों की यह शिकायत मिल रही थी कि कुछ स्कूल एनसीईआरटी की पुस्तकों के अतिरिक्त अन्य प्राइवेट पुस्तकें खरीदने के लिए अभिभावकों के साथ जबरदस्ती कर रहे हैं।

इसके बाद मुख्यमंत्री कार्यालय ने देहरादून के जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए की तुरंत जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में इन शिकायतों के लिए कंट्रोल रूम बनाया जाए जिसमें देहरादून जिले के कोई भी अभिभावक अगर स्कूलों की मनमानी से संबंधित कोई शिकायत करना चाहता है, तो वे सीधा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में संपर्क कर सकता है। इस पर देहरादून के जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा कंट्रोल रूम बनाकर कंट्रोल रूम के मोबाईल नम्बर 9412403037 और 9412973903 एवं ई–मेल deo.dehradun.dir@gmail.com जारी किये गये थे।

इसी क्रम में जिला शिक्षा अधिकारी देहरादून द्वारा अवगत कराया गया है कि **पूर्व में जारी फोन नम्बरों पर अभिभावकों द्वारा भारी संख्या में सम्पर्क किये जाने के दृष्टिगत अभिभावकों की सुविधा के लिये अतिरिक्त मोबाइल नम्बर 9412973905, 9410558596 एवं लैंडलाइन नंबर 0135–2787028 जारी किये है।** इसके लिये अब अभिभावकों की सुविधा के लिये 02 के स्थान पर 05 नम्बरों की सुविधा प्रदान की गई है।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 11 अप्रैल, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–03(04/55)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने बुधवार को मसूरी के एक स्थानीय होटल में 10वीं जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन ऐसोसिएशन (जायका) राष्ट्रीय कार्यशाला का विधिवत शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र द्वारा अखरोट की बागवानी एवं अवनत वनों के सुधारीकरण पर पुस्तिकाओं का विमोचन भी किया गया।

कार्यशाला व प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भूमिका महत्वपूर्ण–मुख्यमंत्री

10वीं जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन ऐसोसिएशन (जायका) राष्ट्रीय कार्यशाला के आयोजन पर 13 राज्यों के प्रतिनिधियों तथा भारत सरकार के अधिकारियों को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि जंगलो के संरक्षण व संर्वद्धन में कार्यशाला व प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यशाला में साझा किए गए अनुभव व ज्ञान से विभागीय प्रगति के लिए काम किए जाते है। कार्यशाला के माध्यम से जंगलों की गतिविधियों के संचालन व संरक्षण में सहायता मिलती है।

वनों के संरक्षण व भूमि क्षरण के समाधान में वन पंचायतों व जायका की अहम भूमिका–मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि राज्य में लगभग 11000 वन पंचायतें है। जायका द्वारा भी वन पंचायतों को वित्तीय सहायता दी जाती है। राज्य में भूमि क्षरण की समस्या अधिक है क्योंकि राज्य का हिमालयी क्षेत्र दलदली है। जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन ऐसोसिएशन (जायका) द्वारा दी जा रही तकनीकी सहयोग से भू क्षरण रोकने में सहायता मिलेगी। जायका की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन द्वारा वन सरंक्षण, भू–क्षरण रोकने तथा मिटटी की गुणवत्ता में सुधार व मिट्टी में खनिजो की कमी को पूरा किया जा सकेगा।

बच्चों मे वनो के प्रति अपनत्व को पैदा करना होगा– मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि राज्य में वनाग्नि की समस्या को रोकने के लिए जागरूकता व सामाजिक सहभागिता को बढ़ाना होगा। स्कूली छात्र–छात्राओं में वनों के प्रति अपनत्व व दायित्व बोध पैदा करना होगा। सिविक सेन्स की तरह ही बच्चों में स्कूली जीवन से ही जंगलों के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करनी होगी। वन अधिकारियों को स्कूलों में जाकर बच्चों से वनों के महत्व व सरंक्षण पर चर्चा करनी चाहिए।

रिस्पना पुनर्जीवीकरण अभियान पूरे देश के लिए संदेश का काम करेगा–मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा देहरादून में रिस्पना व अल्मोड़ा में कोसी नदी के पुनर्जीवीकरण हेतु अभियान शुरू हो गया है। रिस्पना के पुनर्जीवीकरण के लिए एक दिन में उद्गम से संगमत क वृक्षारोपण और साफ सफाई लक्ष्य तय किया है। इसमें व्यापक जन भागीदारी सुनिश्चत की जाएगी। यह अभियान पूरे देश के लिए संदेश देने का काम करेगा।

वन मंत्री डॉ.हरक सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखण्ड में वनों के सरंक्षण में ग्रामीणों की महत्वपूर्ण भूमिका है। वनों के प्रति लगाव हमारी संस्कृति का हिस्सा रहा है।

कार्यक्रम को वन मंत्री डॉ.हरक सिंह रावत, विधायक श्री गणेश जोशी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक श्री मुन्ना सिंह चौहान, अपर मुख्य सचिव श्री रणवीर सिंह, महानिदेशक वन मंत्रालय श्री सिद्वांत दास, जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन ऐसोसिएशन (जायका) के प्रतिनिधि श्री पोरी ईमाची भी उपस्थित थे।

देहरादून 11 अप्रैल, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–02(04/54)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने बुधवार को तिलक रोड स्थित स्वामी श्रद्धानंद बाल वनिता आश्रम में बालिकाओं के नवीन छात्रावास भवन का शिलान्यास किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि समर्पण, सेवा और त्याग का भाव मानव समाज के लिए बहुत आवश्यक है। बाल वनिता आश्रम की स्थापना के पीछे स्वामी दयानंद सरस्वती और स्वामी श्रद्धानंद जी जैसे महापुरुषों का योगदान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य होते हैं और बच्चों के पालन–पोषण में उनके नैसर्गिक गुणों को प्रोत्साहित करने वाला वातावरण बहुत आवश्यक है। बच्चों की शिक्षा–दीक्षा, पालन–पोषण में बुद्धि, बल और विवेक तीनों गुणों का समावेश होना चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत की उपस्थिति में स्थानीय विधायक श्री खजान दास ने बाल वनिता आश्रम हेतु विधायक निधि से 11 लाख रूपये देने की घोषणा की।

बाल वनिता आश्रम की स्थापना 1924 में हुई थी। वर्तमान में आश्रम में 50 बच्चों की व्यवस्था है, जिसमें 20 बालक और 30 बालिकाएं हैं। आश्रम में 27 गायों की एक गौशाला भी है। बताया गया कि आश्रम संचालन हेतु लगभग 3 लाख रूपये प्रतिमाह का खर्च आता है। जिसकी व्यवस्था दान में प्राप्त राशि से की जाती है।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता गायक श्री सुचित नारंग द्वारा भजन प्रस्तुत किया गया। आश्रम के बच्चों द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया।

देहरादून 11 अप्रैल, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–01(04/53)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने वरिष्ठ पत्रकार श्री विमल ठाकुर के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत की आत्मा की शांति एवं दुःख की इस घड़ी में उनके परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।